संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 1 • जनवरी 2025

Volume 3 • Issue 1 • January, 2025

कला मंथन

कलाकार की कोई भी रचना बीज (मूल) रूप में विद्यमान रहती है। सूक्ष्म रूप से कलाकार की कल्पना से वह स्थानांतरित होती है। यह स्थानांतरित रूप मनुष्य की शक्ति को उद्दीपित करती है। सौंदर्यमयी स्वरूपों की रचना अनुकृति से भी अधिक कल्पना के माध्यम से होती है। मनुष्य को कला प्रभावित करती है, कलाकार नहीं। प्रतिभाशाली कलाकार के उन्माद को कला प्रेरित करती है, ईश्वर नहीं। फ्रैकास्टोरो के अनुसार मनुष्य की नाड़ी का स्पंदन संगीतमय लय के कारण बढ़ता है, ईश्वर के नहीं। ऐसी स्थिति में मनुष्य को स्वयं का विस्मरण हो जाता है तथा वह हर्ष-उन्माद की स्थिति प्राप्त करता है। कवि को दिव्य इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह दिव्य जुनून से भरा हुआ होता है।

पुनरुत्थान युग के कलाकारों के समक्ष यह प्रश्न था कि 'श्रेष्ठ' का चुनाव कैसे किया जाए? उनका मानना था कि 'सौंदर्य' ईश्वर प्रदत्त नहीं है। वह मनुष्य के चुनाव पर आश्रित है। प्रारंभिक काल में कलाकार अनुकृति नहीं करते थे। वे सीधा प्रकृति के समीप जाते थे तथा वहाँ के अत्यंत सुंदर भागों का चुनाव करके उन्हें अपने चित्र में प्रस्तुत करते थे।

इस प्रकार की गई रचना स्वभावतः सुंदर होती थी। अधिक सुंदर एवं प्रदीप्त आकारों का चुनाव करना कलाकारों का लक्ष्य होता था। इसीलिए कलाकार चित्रकला में वर्ण-संगीत (हार्मनी) प्रस्थापित कर सकता था। उनके लिए सौंदर्य का दूसरा नाम वर्ण-संगीत अथवा 'मेल' था। दार्शनिक ने भी शुरूआत से ही इस बात को स्वीकृति दी है। किंतु मनोविज्ञान का बोलबाला है। इसके पहले पूर्वकाल में धर्मशास्त्र का स्थान ऊँचा था। आज सौंदर्यशास्त्रीय मेल (हार्मनी) मनोवेगों का मेल है। मेल का अर्थ होता था विभिन्न भागों में पूर्ण अनुरूपता लाना। अब, आज के युग में 'एकता' (यूनिटी) के अनेकानेक नियमों का प्रतिपादन हुआ है। मनुष्य, स्त्री, घोड़े, भवन, मूर्ति इनको सामंजस्यपूर्ण रूप में प्रस्तुत करने के लिए गणित के कुछ नियमों का प्रतिपादन हुआ। यदि किसी मृत व्यक्ति का चित्रण किसी चित्र में है तो चित्र मे वह व्यक्ति मृत ही लगना चाहिए। किसी जीवित व्यक्ति का चित्रण हो तो वह व्यक्ति जीवित लगना चाहिए। यही चित्रकला की सफलता का राज है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

जनवरी 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

जनवरी 2025 का महीना सीसीआरटी के लिए अनेक उपलब्धियों से भरा रहा। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़ी पहलों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाया गया। गणतंत्र दिवस समारोह में भी शिक्षा और संस्कृति के संगम को प्रदर्शित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को न केवल देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत किया गया, बल्कि उन्हें भारतीय संविधान और सांस्कृतिक विविधता की गहरी समझ भी प्रदान की गई। आने वाले महीनों में भी हम अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिनांक 26 जनवरी 2025 को सीसीआरटी मुख्यालय, दिल्ली और हैदराबाद, गुवाहाटी, उदयपुर तथा दमोह स्थित इसके चार क्षेत्रीय केंद्रों में 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सीसीआरटी के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ दिल्ली मुख्यालय और हैदराबाद तथा गुवाहाटी केंद्रों पर चल रहे अनुस्थापन पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी प्रतिभागी भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने के कार्यक्रम में शामिल हुए।

नई दिल्ली में कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज फहराने से हुई, जिसे सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर ने संपन्न किया।

इस अवसर पर 497वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम के शिक्षकों ने 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' विषय पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतिभागियों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में देशभक्ति गीत गाए। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को स्मरण करने के लिए प्रेरणादायक नाटक मंचित किए गए, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर आधारित एक नाटक और 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को बढ़ावा देने वाला एक संदेशपरक नाटक शामिल था।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● एनईपी-2020 के अनुरूप 496वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(02 से 23 जनवरी, 2025, सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में 02 से 23 जनवरी 2025 तक 496वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और तेलंगाना के कुल 61 शिक्षकों (16 महिला शिक्षक सहित) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भारतीय कला, शिल्प, संगीत, नृत्य, रंगमंच और लोक परंपराओं के विविध रूपों से परिचित कराया गया। व्याख्यान सत्रों के माध्यम से उन्हें भारतीय सांस्कृतिक विरासत के महत्व और शिक्षा में उसकी भूमिका को समझने का अवसर मिला। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को कला समेकित शिक्षण के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया, ताकि वे अपनी कक्षाओं में कला को प्रभावी रूप से जोड़ सकें।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न व्यावहारिक कार्यशालाओं में शिक्षकों ने पारंपरिक हस्तकला, चित्रकला और लोककला के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ाने की विधियाँ सीखीं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण योग और ध्यान सत्र थे, जो शिक्षकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उनके शिक्षण दृष्टिकोण को और अधिक संवेदनशील बनाने में सहायक सिद्ध हुए। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया और भारतीय धरोहर को गहराई से समझा।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 497वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(08 से 28 जनवरी, 2025, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 08 से 28 जनवरी 2025 तक 497वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से कुल 114 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मूल्य शिक्षा, योग, सांस्कृतिक इतिहास, कला समेकित शिक्षा, पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियाँ, संगीत और नृत्य की कार्यशालाएँ, हस्तकला प्रशिक्षण, शैक्षिक भ्रमण और सतत विकास जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए।

डॉ. ए.के. मर्चेंट द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान एवं डॉ. संजीव पाठक द्वारा योग सत्र आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों को मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने के नए तरीके मिले। श्री मनीष कुमार द्वारा संघ की राजभाषा नीति, प्रो. भरत गुप्त द्वारा भारतीय सांस्कृतिक इतिहास, प्रो. ज्योत्सना तिवारी द्वारा कला समेकित शिक्षा और प्रो. पी.सी. जोशी द्वारा पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों पर व्याख्यान दिए गए।

संगीत और नृत्य की कार्यशालाएँ भी इस प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण रहीं, जिसमें श्रीमती श्रेयसी गोपीनाथ द्वारा भरतनाट्यम, डॉ. शांभवी शुक्ला द्वारा कथक, डॉ. सरबरी बनर्जी द्वारा हिंदुस्तानी संगीत और श्री अरविंद नारायणन द्वारा कर्नाटक संगीत पर व्याख्यान और प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, कुम्हार कला, जिल्दसाजी, कागज कला, मैक्रेम, वरली एवं मधुबनी चित्रकला जैसे विषयों पर हस्तकला कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।

शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय संग्रहालय, कुतुब परिसर, हुमायूँ का मकबरा और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का दौरा किया, जहाँ उन्होंने भारतीय धरोहर को गहराई से समझा। प्रतिभागियों ने 27 जनवरी को सीसीआरटी परिसर में सफाई अभियान में भाग लिया और 'टॉय-बेस्ड पेडागॉजी' तथा 'कहानी कहने की कला' पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।

समारोह के अंत में सभी शिक्षकों को सीसीआरटी सांस्कृतिक शैक्षिक किट प्रदान की गई, ताकि वे अपने कक्षाओं में सांस्कृतिक शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू कर सकें। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक और अपने शिक्षण अनुभव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल, मध्य प्रदेश में 09 से 10 जनवरी, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 11 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024–25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक 20 से 23 जनवरी, 2025 तक सत्यन समारक सांस्कृतिक सोसायटी, तिरुवनंतपुरम, केरल में आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 19 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024–25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन क्षेत्रीय केंद्र, ललित कला अकादमी, 4, ग्रीम्स रोड, चेन्नई, तमिलनाडु में 28 से 30 जनवरी, 2025 तक किया।

- सीसीआरटी ने 17 से 22 जनवरी, 2025 तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित महाकुंभ मेला 2025 में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए।

"राष्ट्रीय सांस्कृतिक शिविर सह महोत्सव"

- छात्रवृत्ति अनुभाग ने सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली में 7 से 11 जनवरी, 2025 तक "एक भारत श्रेष्ठ भारत" शीर्षक से राष्ट्रीय सांस्कृतिक शिविर सह महोत्सव का आयोजन किया। इस महोत्सव में विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के तीस (30) छात्रवृत्ति धारकों/युवा कलाकारों ने भाग लिया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी बाल विद्यालय, घुम्मनहेड़ा, नई दिल्ली	16, 17, 20 जनवरी 2025
2.	राजकीय सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय, जाफरपुर, नई दिल्ली	28-30 जनवरी 2025
3.	राजकीय सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय, नजफगढ़, नई दिल्ली	28-30 जनवरी 2025
4.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी बाल विद्यालय, उजावा, नई दिल्ली	28, 29, 31 जनवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जिला परिषद हाई स्कूल, यादगारपल्ली, जिला मेडचल तेलंगाना	2-4 जनवरी 2025
2.	जिला परिषद हाई स्कूल, जवाहर नगर, मण्डल कपरा, तेलंगाना	6-8 जनवरी 2025
3.	जिला परिषद हाई स्कूल, पीरजादीगुडा नगर, तेलंगाना	20-22 जनवरी 2025
4.	जिला परिषद हाई स्कूल, एडुलाबाद, मण्डल घाटकेसर, तेलंगाना	23-25 जनवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	बघारबारी हाई स्कूल, पंजाबारी, गुवाहाटी, असम	2 से 4 जनवरी 2025
2.	बेलटोला हाई स्कूल, न्यू गुवाहाटी, असम	2 से 4 जनवरी 2025
3.	हेंगराबारी हाई स्कूल, गुवाहाटी, असम	6 से 8 जनवरी 2025
4.	पानबाजार गर्ल्स हाई स्कूल, पानबाजार, गुवाहाटी, असम	6, 08 और 09 जनवरी 2025
5.	आंचलिक हाई स्कूल, पानबाजार, गुवाहाटी, असम	9 से 11 जनवरी 2025
6.	दिगारू हाई स्कूल, दिगारू, गुवाहाटी, असम	24, 25 और 27 जनवरी 2025
7.	फागुना राभा हाई स्कूल, काहिलीपारा, गुवाहाटी, असम	27, 29 और 30 जनवरी 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय गुरु गोविंद विद्यालय, दमोह	09-11 जनवरी 2025
2.	सी.एम.आर. हाई स्कूल, जबेरा, दमोह	09-11 जनवरी 2025
3.	राजकीय विद्यालय, टिकरी, बुजुर्ग, दमोह	09-11 जनवरी 2025
4.	राजकीय विद्यालय, डिस्कर, दमोह	21-23 जनवरी 2025

जादवपुर विद्यापीठ, कोलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जादवपुर विद्यापीठ, कोलकत्ता, पश्चिमी बंगाल	15-17 जनवरी 2025

जनवरी 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 5722 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

- **'शिक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम**

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद में 27-31 जनवरी, 2025 तक "शिक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण" पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कोर्स में 08 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों - गोवा, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश से कुल 26 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राजभाषा

31 जनवरी 2025 को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर का राजभाषायी निरीक्षण मुख्यालय के हिंदी अधिकारी श्री मनीष कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उदयपुर केंद्र में राजभाषा के प्रयोग की वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया और इसके प्रचार-प्रसार में प्रगामी प्रगति के लिए अपेक्षित परामर्श दिया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार,** निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर